



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 236]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 8, 1992/चैत्र 19, 1914

No. 236] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 8, 1992/CHAITRA 19, 1914

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अप्रैल 1992

वा प्रा 271(अ) - केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड व्यव कर अधिनियम 1987 (1987 का 15) की धारा 31 द्वारा प्रदत्त प्राधिकारों का प्रयोग करते हुए, व्यव कर नियम, 1987 का जोर संपादन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् -

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ - -

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम व्यव कर (संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त भागे।

2 व्यय कर नियम, 1987 में प्ररूप सं 3 के स्थान पर निम्नलिखित राजा वापस यथास्तु

“प्ररूप सं. 3

व्यय कर

प्ररूप सं. 3

व्यय कर अधिनियम, 1987

खारा 8(1) 8(2) नियम 5

प्रमाण व्यय की जाति प्राप्त मन्त्रियों के योग  
की विवरणी

प्रमाण-पत्र वापस में मन्त्रियों के लिए

स्पष्ट अक्षरों में नाम

स्थायी लेखा में

स्पष्ट अक्षरों में काबिलिय का पता

दूरभाष सं.

वार्ड/भक्ति . . . . .

जहाँ निर्धारित किया गया/निर्धारणीय है

निर्धारण वर्ष . . . . .

यदि यह पुनरीक्षित विवरणी है तो कृपया प्रस्तुत की गई पूर्ववर्ती विवरणी की रसीद सं. और  
तारीख लिखें

हां/नहीं

रसीद सं.

दिन

मास

वर्ष

प्राप्ति

(संकेतिकी का प्रयोग करें, देखिए दिव्य 1)

लिखें क्या वह निवासी/अनिवासी/सामूली सौर से निवासी नहीं है  
निम्नलिखित संकेतिकी का प्रयोग करें :

निवासी 01, अनिवासी 02, सामूली सौर से निवासी नहीं है 03

## भाग-1

## प्रभावे व्यय का विवरण

1. कुल प्रभावे उपगत व्यय।

क. निम्नलिखित के उपबन्ध के संबंध में किसी हाटल द्वारा -

- (क) कोई भोजन-स्थान प्राकृतिक या अन्यथा
- (ख) हाटल द्वारा खाद्य या पेय को हाटल में या बाहर
- (ग) हाटल में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खाने या पीने
- (घ) किराया या पट्टे पर हाटल में कोई भोजन-स्थान
- (ङ) हाटल द्वारा हाटल में कोई अन्य सेवाएँ, श्रुंगार कला कौशल, स्वास्थ्य काय चरण-माल के रूप में या अन्य किसी भी सेवाएँ
- (च) किसी अन्य व्यक्ति द्वारा हाटल में कोई अन्य सेवाएँ, श्रुंगार कला कौशल, स्वास्थ्य कला, चरण-माल के रूप में या अन्य किसी भी सेवाएँ

ख. निम्नलिखित के उपबन्ध के संबंध में किसी रेस्टो (धारा 2 को उपधारा 4 में यथा परिभाषित) द्वारा -

- (छ) रेस्टो द्वारा खाद्य या पेय को रेस्टो में या बाहर।
- (ज) रेस्टो में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खाद्य या पेय।

ग. योग (क+ख)

2. शुद्ध प्रभावे व्यय (दस रूपों के निबन्धन गणना तब यथा पूर्णकृत व्यय कर अधिनियम, 1987 की धारा 24 द्वारा व्यवहार का यथा लागू आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 288ए)

## भाग-2

## व्यय, कर या विवरण

प्रभावे व्यय संग्रहीत व्यय कर सरकार को भुगतान कर का विवरण और उसके मद्दाब की (मासवार) दर

क्रम सं.	प्रभावे व्यय	संग्रहण योग्य व्यय-कर	संग्रहीत व्यय-कर	सरकार को मद्दाब व्यय-कर	लदाय की तारीख (चासान संलग्न करें)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					
योग					

अधी तक संग्रहीत किए जाने वाले व्यय कर का प्रतिशत  
स्लैब (3) - स्लैब (4)

सरकार को भुगतान किए जाने वाले व्यय कर का प्रतिशत  
स्लैब (4) - स्लैब (5)

अधी में \_\_\_\_\_

शब्दों में \_\_\_\_\_

अधी में \_\_\_\_\_

शब्दों में \_\_\_\_\_

[धारा 5(i) से (iv) तक क्षमता]

ब्रिजिष्ठियां	रक्तस	धारण यत्न वि कदा कदायेय नहीं है
---------------	-------	---------------------------------

(टिप्पण 2 और 3 देखिए)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

(स्पष्ट अक्षरों में पुरा नाम)

का \*पुत्र/का पुत्री/का पत्नी और . . . . .

(होष्टल)

(रैस्या/भुगार कला केन्द्र, स्वाम्भय यन्त्र, तरण नाम प्रादि का नाम)

क/की ..... हूँ सम्प्रतिष्ठ। मे घोषणा करा हू/करती हूँ कि इस विवरणी ओर सत्य विवरणी में दी गई  
(पदनाम)

जानकारी मेरु सर्वोत्तम भात और विश्र्वाय के अनुसार सही और सून है और उसमे दाशिन प्रसार्य रूप का रसम और सत्र विणिष्टिया सही सही बनाई गई है और 1 अप्रैल, 19 को प्रारम्भ होते वाले तिर्थांग वर मे सुपगत विनोय वर के सवध मे है।

मैं सत्यनिष्ठा से यह भी चावना करना हूँ/करनी हूँ कि उच्च विंसीथ शर्तों के दौरान कार्य एवं प्रभाव आता है। यदि मैं ऐसा नहीं करता तो मैं स्वयं को नुकसान पहुँचाऊंगा।

सच्य ताल में या किसी अन्य सेवा के मध्य में, जिसे वह अधिनियम लागू होता है, उपयोग नहीं किया गया है।

मैं यह भी घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि मैं ..... को हेमियन से "हाउस रेस्त्रा/भूगारकवा

( पदनाम )

केन्द्र/स्वास्थ्य कक्ष/तरंग ताल, यात्रि की ओर से वृद्ध विवरणी तैयार करने और इस गवाषित करने के लिए, सुक्ष्म त्र।

मारीख . . . . .

स्थान . . . . .

१६७७५५)

टिप्पणः,

1. हेसियन उपपक्षित करने के लिए, कृपया निम्नलिखित सकेतिकी स. का प्रयोग करें

- |  |    |
|--|----|
| — व्यष्टि  | 01 |
| — हिन्दू अधिभवन कुटुम्ब (सोते उत्तिष्ठान से भिन्न)   | 02 |
| — हिन्दू अधिभवन कुटुम्ब जिसका काम से कम एक सप्ताह की पूर्ववर्ती वर्ष में कुल आय 16000 रुपये से अधिक है | 03 |
| — अजरिस्ट्रीकृत फर्म   | 04 |
| — रजिस्ट्रीकृत फर्म (वृत्ति में लगी हुई से भिन्न)  | 05 |
| — रजिस्ट्रीकृत फर्म जो वृत्ति में लगी हुई है   | 06 |
| — व्यक्तियों का संगम (व्य. का स.)  | 07 |
| — व्यक्तियों का संगम (व्याय)   | 08 |
| — व्यष्टियों का लिकाउ (व्य. का नि.)  | 09 |

\*जो खाग म हो उसे काट दे ।

--- अलग व्यक्ति का पिता	10
--- मजदारी या ग्राहक	11
--- कोई ऐसी कंपनी जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हितबद्ध है	12
--- कोई ऐसी कंपनी जो ऐसी कंपनियों नहीं है जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हितबद्ध है और जो व्यापारिक कंपनी या वित्तीय कंपनी नहीं है	13
--- कोई ऐसी कंपनी जो एक व्यापारिक कंपनी या कोई वित्तीय कंपनी है और जो एक ऐसी कंपनी नहीं है जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हितबद्ध नहीं है	14
--- पूर्ण कंपनी या मिश्र कोई कंपनी	15
--- स्थानीय प्राधिकारी	16

## 2. यह विवरणी निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षर की जानी चाहिए

- (ग) किसी व्यक्ति की दशा में स्वयं व्यक्ति द्वारा, जहां व्यक्ति भारत में बाहर है वहां मंत्रालय व्यक्ति द्वारा या ऐसे व्यक्ति द्वारा या इन निमित्त उनके द्वारा समस्त रूप से प्राधिकृत हैं और जहां वह व्यक्ति अपने दायों की देखभाल करने में मानसिक रूप से अक्षम है वहां उनके मंत्रालय द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जो उनकी आर में कार्य करने के लिए सक्षम हैं।
- (ख) हिंदू अधिवक्ता पुरुष की दशा में कर्ता द्वारा और जहां कता भारत में बाहर है या अपने कार्यों की देखभाल करने में मानसिक रूप से अक्षम है वहां ऐसे पुरुष के किसी अन्य व्यक्ति मंत्रालय द्वारा।
- (ग) किसी कंपनी की दशा में, उसके प्रबन्ध निदेशक द्वारा या जहां किसी अप्रतिष्ठाप कारण से ऐसा प्रबन्ध निदेशक विवरणी पर हस्ताक्षर करने और उसे सत्यापित करने में समर्थ नहीं है या जहां कोई प्रबन्ध निदेशक नहीं है वहां उनके किसी भी निदेशक द्वारा या अनिवार्य की दशा में जहां किसी व्यक्ति का निर्धारण किया गया है जिसे अधि-कर अधिनियम 1961 की धारा 163 के अधीन उसके अधिकारों के रूप में माना गया है वहां ऐसे व्यक्ति द्वारा।
- (घ) किसी फर्म की दशा में, उसके प्रबन्ध भागीदार द्वारा या जहां किसी अप्रतिष्ठाप कारण से ऐसा प्रबन्ध भागीदार विवरणी पर हस्ताक्षर करने और उसे सत्यापित करने में समर्थ नहीं है या जहां कोई ऐसा प्रबन्ध भागीदार नहीं है वहां उसके किसी भी भागीदार द्वारा, जो अक्षम नहीं है।
- (ङ) स्थानीय प्राधिकारी की दशा में, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा।
- (च) किसी अन्य संगम की दशा में, संगम के किसी सदस्य या उसके प्रधान अधिकारी द्वारा और
- (छ) किसी अन्य व्यक्ति की दशा में उस व्यक्ति द्वारा या उसकी आर में कार्य करने के लिए सक्षम किसी व्यक्ति द्वारा।

4. स्थापन पर हस्ताक्षर करने से पूर्व हस्ताक्षर कर्ता का अपना यह समाधान करना चाहिए कि यह विवरणी और इसके साथ के विवरण सही और सभी प्रकार से पूर्ण है। कोई भी व्यक्ति जो इस विवरणी या इसके साथ के विवरणों में कोई मिथ्या कथन करेगा, अधि-कर अधिनियम 1987 की धारा 27 के अधीन अधिव्ययोजन के लिए दायी होगा और शोषणित पर कठोर कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास से कम नहीं होगी, किन्तु जो सात वर्ष तक की हो सकती है, और जुर्माने में दंडनीय होगा।

4. अधि-कर अधिनियम 1987 की धारा 7 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार किसी भी कलेक्टर मास के दौरान संग्रहीत कर, उक्त कलेक्टर मास से ठीक अगले मास की 10 तारीख तक केन्द्रीय सरकार के खाने में संशय किया जाएगा और ऐसे मासिक संशय का समुचित इस विवरणी के साथ संलग्न किया जाना चाहिए।

[स 9022/का स 134/9/92-टी पी एल]

के एम प्रसाद, प्रबन्ध सचिव

पाद टिप्पण—अध्यक्ष के नियम समय-समय पर संशोधित किए गए हैं जो का आ. 939 (अ) दिनांक 26-10-87 द्वारा अधिसूचित किए गए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

## NOTIFICATION

New Delhi, the 8th April, 1992

S.O. 271(E):—In the exercise of powers conferred by section 31 of Expenditure-tax Act, 1987 (35 of 1987) the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following rules further to amend the Expenditure Tax Rules, 1987, namely :—

## SHORT TITLE AND COMMENCEMENT :—

1. (1) These rules may be called the Expenditure-tax (Amendment) Rules, 1992.
- (2) They shall come into effect on the date of their publication in the Official Gazette.

2 In the Expenditure tax Rules, 1987, for the Form No 3, the following form shall be substituted namely

**FORM NO 3**  
**EXPENDITURE-TAX**

Form No 3  
The Expenditure-Tax  
Act, 1987

Return of Aggregate of the  
Payments received in respect of  
Chargeable Expenditure

For use In income-tax Office

Section 8(1)(2) Rule 5

Name in Block Letters

Permanent Account No

Office Address in Block Letter  
Telephone No

Ward Circle  
Where Assessed  
Assessable

Assessment Year

If This is a Revised Return, Please State the  
Receipt No and Date of Furnishing the Previous Return

Yes/No

Receipt No

Date Month Year

Status

(Use Code See Note I)

State Whether Resident/Non-Resident/Not  
Ordinarily Resident

(Use the Following Codes Resident 01, Non-Resident 02,  
Not Ordinarily Resident 03)

**PART-I**

**Statement of Chargeable Expenditure**

I Total chargeable expenditure incurred

A. By a hotel in connection with the provision of —

(a) my accommodation, residential or otherwise

(b) food or drink by the Hotel whether at the hotel or outside

(c) food or drink by any other person at the Hotel

- (d) Any accommodation in the Hotel on hire or lease
- (e) any other services at the Hotel, by the Hotel by way of beauty parlour, health club, swimming pool or other similar services.
- (f) any other services at the Hotel by any other person by way of beauty parlour, health club, swimming pool or other similar services.
- B By a restaurant (as defined in sub-section 9A of section 2) in connection with the provision of:—
- (g) food or drink by the restaurant, whether at restaurant or outside,
- (h) food or drink by any other person in the restaurant
- C. Total (A+B) :

2. Net chargeable expenditure (as rounded off to the nearest multiple of ten rupees—section 288A of the Income-tax Act, 1961, as applied to Expenditure-tax by section 24 of the Expenditure-Tax Act, 1987)—

## PART II

### STATEMENT OF EXPENDITURE-TAX

Break-up of chargeable expenditure, expenditure-tax collected, tax paid to Government and rate of payment thereof (Monthwise)

Sl. No.	Chargeable expenditure	Expenditure tax collectible	Expenditure tax collected	Expenditure tax paid to Govt.	Date of payment (attach challans)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					
<b>TOTAL</b>					

Balance of expenditure-tax yet to be collected

Col. (3)—Col. (4)

In figures .....

In words .....

Balance of expenditure-tax to be paid to Government

Col. (4)—Col. (5);

In figures .....

In words .....

**PART III**  
**OTHER SUMS NOT INCLUDED IN CHARGEABLE EXPENDITURE AND CLAIMED**  
**TO BE NOT TAXABLE**

[See section 5(i) to (iv)]

Particulars	Amount	Reason, why not taxable

**Verification**

[See Notes 2 and 3]

I....., \*son/daughter/wife of  
 [Name in full and in block letters]  
 Shri..... being the..... of  
 \*[Designation]

..... solemnly  
 [Name of the Hotel/Restaurant, Beauty Parlour, Health Club, Swimming Pool, etc.]  
 declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and the statements accompanying it is correct and complete and that the amount of chargeable expenditure and other particulars shown therein are truly stated and relate to the financial year relevant to the assessment year commencing on the 1st day of April, 19.....

I further solemnly declare that during the said financial year, no other chargeable expenditure has been incurred in the \*hotel/restaurant/beauty parlour/health-club/swimming pool or in respect of any other service to which the Act applies.

I further declare that in my capacity as..... I am  
 [designation]  
 competent to make this return and verify it on behalf of the \*hotel/restaurant/beauty parlour/health-club/swimming pool, etc.

Date—.....

Place.....

Signature

**Notes :**

1. For indicating the status please use the following code numbers :

- |   |    |
|---|----|
| —Individual   | 01 |
| —Hindu undivided family (other than the one mentioned below)  | 02 |
| —Hindu undivided family which has at least one member with total income of the previous year exceeding Rs. 18,000 | 03 |
| —Unregistered firm  | 04 |
| —Registered firm (other than one engaged in profession)   | 05 |
| —Registered firm engaged in profession  | 06 |

\*Delete whichever is not applicable



—Association of persons (AOP)	07
—Association of persons (Trusts)	08
—Body of individuals (BOI)	09
—Artificial juridical person	10
—Co-operative society	11
—A domestic company in which public are substantially interested	12
—A domestic company which is not a company in which the public are substantially interested and which is not a trading company or an investment company	13
—A domestic company which is a trading company or an investment company and is also a company in which the public are not substantially interested	14
—A company other than a domestic company	15
—Local authority	16

2. This return should be signed by :

- (a) In the case of an individual, by the individual himself; where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly authorised by him in this behalf; and where the individual is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;
- (b) In the case of a Hindu undivided family, by the karta, and where the karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family;
- (c) In the case of a company, by the managing director thereof, or where for any unavoidable reason such managing director is not able to sign and verify the return, or where there is no managing director, by any director thereof, or, where in the case of a non-resident, the assessment has been made on any person who has been treated as his agent under section 163 of the Income-tax Act, 1961, by such person;
- (d) In the case of a firm by the managing partner thereof, or where for any unavoidable reason, such managing partner is not able to sign and verify the return, or where there is no managing partners as such, by any partner thereof, not being a minor;
- (e) In the case of a local authority, by the principal officer thereof;
- (f) In the case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof; and
- (g) In the case of any other person, by that person or by some person competent to act on his behalf.

3. Before signing the verification, the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying statements are correct and complete in all respects. Any person making a false statement, in this return or the accompanying statements, shall be liable to prosecution under section 27 of the Expenditure tax Act, 1987, and on conviction, be punishable with rigorous imprisonment for a term which shall not be less than three months but which may extend to seven years and with fine.

4. The tax collected during any calendar month in accordance with the provisions of sub-section (1) of section 7 of the Expenditure-tax Act, 1987, shall be paid to the credit of the Central Government by the 10th day of the month immediately following the said calendar month, and proof of such monthly payment should be attached alongwith this return.”.

[No. 9022/F. No. 134/92-TPL]

K. M. PRASAD, Under Secy.

FOOT NOTE : Expenditure-tax Rules amended from time to time was notified vide S.O. 939(E) dated 26-10-87.

